प्रश्नपत्र-11
हिंदी पत्रकारिता : प्रिंट मीडिया

100 अंक

1. हिंदी प्रेस-विकास और इतिहास, सुधारवाद (1826-1850), राष्ट्रवाद (1850-1947), जनसरोकारधर्मी पत्रकारिता (1947-1977), नवउदारवाद (80 के दशक से अब तक)। (स्वाधीनता पूर्व और पश्चात् के विभिन्न समाचार पत्रों जैसे मतवाला, चांद, माधुरी, नवजीवन, अम्बेडकर इन इंडिया, हिमायती आदि के आधार पर)
2. i स्वाधीनता पूर्व हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता : स्वरूप एवं विकास (प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं जैसे कविवचनसुधा, मतवाला, चांद, माधुरी, आदि के आधार पर)
   ii स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रेस : आर्थिक ढाँचा, विज्ञापन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक सरोकार
3. पीत पत्रकारिता पेड न्यूज़, आधुनिक समय में वैकल्पिक पत्रकारिता, प्रिंटमीडिया का अन्य रूप - टैब्लायड पेपर, सांध्य अखबार, घरेलू अखबार, प्रेस कानून और प्रेस परिषद,, साप्ताहिक एवं पाक्षिक पत्रिकाएँ, (व्यावसायिक और गैर व्यावसायिक साहित्यिक)
4. पत्रकारिता की भाषा: स्वतंत्रतापूर्व एवं पश्चात् (समाचार-सुधावर्षण, उचित वक्ता, हिंदी प्रदीप, सरस्वती, बालाबोधिनी, धर्मयुग, दिनमान, हिंदी ब्लीट्स, जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, इंडिया टुडे आदि)
   मुद्रित माध्यम के विविध रूप - समाचार, रिपोर्टिंग, फीचर, संपादकीय, पाठक के पत्र

~~प्रश्न पत्र का अंक विभाजन~~

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 :— 7 और 8 अंक	~~15~~
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र - जबरीमल्ल पारख
2. मीडिया समग्र, भाग 1 और 4 - जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. फिल्में कैसे बनती हैं - ख्वाजा अहमद अब्बास
4. टेलीविजन - रेमण्ड विलियम्स

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. दूरदर्शन : दशा और दिशा - सुधीश पचौरी
2. डेरेक बोस - ब्रांड बॉलीवुड
3. कुमुद शर्मा - भूमंडलीकरण और मीडिया
4. कुमुद शर्मा - समाचार बाजार की नैतिकता